



Himachal Pradesh
Forest Department



आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
कटाई और सिलाई एवं बैग निर्माण
2022



एसएचजी/नाम	:	जय दुर्गे स्वयं सहायता समूह
वीएफडीएस नाम	:	घन्डीर
एफटीयू/रेंज	:	झंडूता
डीएमयू/मंडल	:	बिलासपुर
एफसीसीयू / सर्कल	:	बिलासपुर

द्वारा प्रायोजित पीआईएचपीफेम और एल	द्वारा तैयार:- डीएमयू बिलासपुर, एफटीयू झंडूता और जय दुर्गे एसएचजी
---------------------------------------	---

विषयसूची

विवरण	पेज
परिचय	3
कार्यकारी सारांश	3-4
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-5
गांव का भौगोलिक विवरण	6
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	6
उत्पादन योजना का विवरण	6
विपणन /विक्री का विवरण	7
अर्थशास्त्र का विवरण	7-8
वित्त की आवश्यकता	9
निगरानी विधि	10
टिपणी	10
व्यवसाय योजना दैग बनाना	10
कार्यकारी सारांश	10
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।	11
विपणन/विक्री का विवरण	11
अर्थशास्त्र का विवरण	12
फंड की आवश्यकता	13
परियोजना की कुल लागत	13

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, वागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और इसका आबादी घनत्व काफी है।

यह जिला पंजाब की सीमा से सटा हुआ है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रवेश द्वार है, बिलासपुर जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते मंडी कुल्लू शिमला, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ता है।

यह जिला प्राचीन वस्तियों और पारंपरिक खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी सतलुज नदी मुख्य जीवन रेखा है। तथा भाखड़ा बाँध के निर्माण के पश्चात् इस जिले का अधिकतर उपजाऊ भू क्षेत्र जलमग्न हो गया है।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

घन्डीर वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, " जय दुर्गे " स्वयं सहायता समूह, कटाई, सिलाई और स्वेटर एवं जुराब बुनाई से संबंधित है। समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने कटाई, सिलाई और स्वेटर एवं जुराब बुनाई करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए तकनीकी सहयोग डॉ पंकज मूद, प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ कविता शर्मा और डीएस यादव, कृषि विज्ञान केन्द्र मंडी स्थित सुंदर नगर द्वारा प्रदान किए गए थे। दल जिसमें विजय कुमार, विषय विशेषज्ञ, कार्यालय वनमंडल सुकेत, अनीता शर्मा फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर झंडूता परिक्षेत्र, नरेन्द्र कुमार वन रक्षक, घनडीर बीट और ज्ञान चन्द, वनखंड अधिकारी, वन खंड गोचर शामिल रहे जिसमें वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा।

कार्यकारी सारांश

घन्डीर वन ग्रामीण विकास समिति:-

घन्डीर वन ग्रामीण विकास समिति, घन्डीर राजस्व मुहाल में व्यवस्थित है। इस वन ग्रामीण विकास समिति का गठन ग्राम पंचायत घन्डीर में किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में बिलासपुर जिले के झंडूता ब्लॉक में स्थित है घन्डीर वन ग्रामीण विकास समिति बिलासपुर वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के झंडूता वन परिक्षेत्र के तहत गोचर वन खण्ड के घनडीर बीट के अंतर्गत आता है।

परिवारों की संख्या	59
बीपीएल परिवार	12 = 20.33%
कुल जनसंख्या	292

स्वयं सहायता समूह का विवरण

अनौपचारिक जय दुर्गे स्वयं सहायता समूह का गठन मई 2021 में घन्डीर वन ग्रामीण विकास समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं। सन्तोपी स्वयं सहायता समूह महिला समूह (आठ महिलाएं) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल है। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतुष्टि के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। कटाई, सिंचाई और बुनाई जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 8 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 50/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-

फोटो के साथ स्वयं सहायता समूह सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	सीता देवी	प्रधान	सामान्य	60	5 th	90150 46966
2.	माया देवी	सचिव	सामान्य	44	+2	94184 01412
3.	ज्योति शर्मा	कोषाध्यक्ष	सामान्य	37	+2	98165 42520
4.	अंजना कुमारी	सदस्य	सामान्य	33	+2	98055 49235
5.	रामप्यारी	कोषाध्यक्ष	सामान्य	61	5 th	98052 12998
6.	उर्मिला देवी	सदस्य	सामान्य	50	5 th	62304 81707
7.	पल्लवी शर्मा	सदस्य	सामान्य	20	B. tech	98055 82696
8.	सुमन बाला	सदस्य	सामान्य	43	10 th	98059 79573

			
सीता देवी (प्रधान)	माया देवी (सचिव)	ज्योति शर्मा (कोषाध्यक्ष)	अंजना कुमारी (सदस्य)
			
सुमन बाला (सदस्य)	रामप्यारी (सदस्य)	उर्मिला देवी (सदस्य)	पल्लवी शर्मा (सदस्य)

जय दुर्गे स्वयं सहायता समूह घन्डीर

एसएचजी का नाम	::	जय दुर्गे
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	घन्डीर
भरिक्षेत्र	::	झंडूता
वन मण्डल	::	बिलासपुर
गांव	::	घन्डीर
खंड	::	झंडूता
ज़िला	::	बिलासपुर
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	08
गठन की तिथि	::	मई 2021
बैंक का नाम और विवरण	::	HP GRAMIN BANK Bhadoli Kalan
बैंक खाता संख्या	::	88901300000249
एसएचजी/मासिक बचत	::	₹.400/-माह
कुल बचत	::	6000/-
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	
चुकोती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	45 किमी
मेन रोड से दूर	:	3 किमी (लेकिन मुख्य सड़क से 100 से 200 मीटर तक) लगभग
स्थानीय बाजार और दूर का नाम	:	झंडूता 20 किमी, बरठी 17 किमी विलासपुर 45 किमी लगभग।
प्रमुख शहरों के नाम और दूर	:	झंडूता 20 किमी, बरठी 17 किमी विलासपुर 45 किमी लगभग।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	:	झंडूता, बरठी, विलासपुर
बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थिति	:	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	सिले सूट
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतुष्टि बिंदु तक पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि कटाई, सिलाई और बुनाई से उनकी आय में वृद्धि होगी।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लगता है	::	1 सूट को पूरा होने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार/ स्थानीय लोग
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
प्रति दिन अपेक्षित सिले सूट	::	शुरुआत में 5 सूट

विपणन /बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	::	अन्तर्निहित गांव - <u>घुन्डीर</u>
	::	आस-पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
सिलाई कार्य की मांग	::	पूरे साल और उत्सव और शादी के अवसरों के समय उच्च मांग।
बाजार के पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का वंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात् कच्चे माल की खरीद आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण:

पूंजी लागत	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (रु.)
विवरण			
सिलाई मशीन	05	8000	40000
इंटरलॉक मशीन	1	6000	6000
दर्जी कैंची	10	400	4000
सिलाई रूलर (फीता) सेट	10	600	6000
सिलाई दर्जी Tap	10	100	1000
आयरन प्रेस	2	500	1000
अलमारी	3-4	लगभग	5000
कांटा	2 सेट	400	800
कुर्सियों, मेज आदि	लगभग	लगभग	5000

कुल पूंजीगत लागत (ए) =			68800
------------------------	--	--	-------

बी। आवर्ती लागत					
अनु क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	सिलाई के धागे	रीलों/मूट/माह	180	10	1800
2	अन्य परिष्करण सामग्री (बुकरम, कॉलर आदि)	मूट/माह	लगभग	लगभग	4000
3	किराया	महीना			1000
4	अन्य (स्थिर, बिजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000
कुल आवर्ती लागत (बी)					7800

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	7800
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	600
कुल	8400

सिले हुए सूट की कीमत (प्रति सूट)				
विवरण	इकाई	मात्रा	राशि (रु.)	
साधारण सूट	1	1	250-300	
अन्य (प्लाज़ो, अस्तर आदि)	1	1	300-350	

अय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

विवरण	राशि (रु.)
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	600
कुल आवर्ती लागत	7800
प्रति माह कुल सिले सूट	150 (लगभग मात्रा)
सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	250
आय सृजन (150*250)	37,500
शुद्ध लाभ (37,500 - 8700)	28,800
शुद्ध लाभ का वितरण	<ul style="list-style-type: none"> लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा।

बित्त की आवश्यकता:

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
कुल पूंजी लागत	68800	34,400	34,400
कुल आवर्ती लागत	7800	0	7800
प्रशिक्षण	50000	50000	0
कुल	126600	84400	42200

ध्यान दें-

- पूंजीगत लागत - परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 50%
- आवर्ती लागत - एसएचजी/सीआईडी द्वारा वहन किया जाना।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

बित्त स्रोत:

परियोजना का समर्थन:	<ul style="list-style-type: none"> • पूंजीगत लागत का 50% मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। • SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। 	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	<ul style="list-style-type: none"> □ पूंजीगत लागत का 50% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा। □ स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत 	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ऋण चुकौती अनुसूची- यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक वचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के वकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

टिप्पणी:
समूह की आगामी आय को ध्यान में रखते हुए समूह द्वारा दूसरी प्रस्तावित गतिविधि स्वेटर एवं जुराव बनाई है क्योंकि यह निर्णय सिद्धान्तिक रूप में समीक्षा मिशन के समय लिया गया है कि एक व्यवसाय योजना में एक से अधिक गतिविधि सम्मिलित की जानी चाहिए, अतः दूसरी प्रस्तावित गतिविधि नीचे संलग्न है।

व्यवसाय योजना

बैग बनाना

द्वारा

जय दुर्गे स्वयं सहायता समूह

कार्यकारी सारांश

बैग उत्पादन एक तरीका है जिससे लोगों को आर्थिक लाभ होगा व ग्रामीण बैग उत्पादन कम खर्चे पर करके अपनी आजीविका में सुधार ला सकते हैं। इसके माध्यम से गरीब परिवार अपनी आय में पर्याप्त बढ़ाव कर सकते हैं। कम कीमत पर अच्छी किस्म का उत्पादन करने के लिए प्रशिक्षण और उन्नत किस्म की मशीनें समूह को अनुदान पर प्रदान की जाएँगी। जिस से समूह के सदस्य अच्छी किस्म के उत्पाद कम समय में तैयार कर सकते हैं और अधिक आय अर्जित कर सकते हैं।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।

उत्पाद का नाम	::	वैग
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह का पूरा सदस्य भीमरी मकड़ी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संवृत्ति बिंदु पर पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि जेआईसीए परियोजना की सहायता में वैग बनाना शुरू किया जाना है, जो उनकी आय में वृद्धि होगी।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लिया	::	वैग के प्रकार और आकार के आधार पर। वैग को पूरा होने में लगभग 1-2 घंटे लगते हैं।
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं।
बड़े माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
प्रति दिन अपेक्षित सिले वैग	::	शुरू में 4 वैग

विपणन/विक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	::	आच्छादित गांव - सरुआ धार, लेदा, मुन्दर नगर आस-पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
वैग की मांग	::	साल भर (लंच बॉक्स और पानी की बोतलों के लिए वैग और उत्सव, शादी के अवसरों पर यात्रा के लिए कैरी वैग की मांग अधिक होती है)
बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति	::	एसएचजी सदस्य सीधे आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

दोषिम विवेचन

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का वंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया (यानी - कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण :

आवर्ती लागत					
क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	वैग बनाने के लिए कपड़ा (जूट और मोटी कपास)		30 mt	150 / mt.	4500
2	मेटी		30 mt	120	3600
3	सिलाई के धागे	रीलों/बैग/माह	180	10	1800
4	अन्य परिष्करण सामग्री (ज़िप , बटन , फीता, टेप और चेन और अन्य सामान)	वैग/माह	लगभग	लगभग	8000
5	स्पंज		30 mt	3600	3600
6	किराया	महीना			1000
7	अन्य (स्टेशनरी, विजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000
कुल आवर्ती लागत					23500

सी।	उत्पादन की लागत (मासिक)	
अनु क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1	कुल आवर्ती लागत	23500
	कुल	23500

वैग की कीमत (प्रति वैग)					
क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	राशि (रु.)	
1	यात्रा का थैला	1	1	300-400	
2	लंच बॉक्स के लिए कैरी बैग	1	1	100-150	
3	पानी की बोतल के लिए कैरी बैग	1	1	100-150	
4	मिनी उपयोगिता किट	1	1	75	
5	भट्टा बैग	1	1	250	
6	मोबाइल कवर	1	1	75	
7	हैंड बैग	1	1	250-300	

आय और व्यय का विघ्नेषण (महीने के):

क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1.	कुल आवर्ती लागत	23500
2.	प्रति माह मिले कुल बैग	120 (लगभग मात्रा)
3.	बैग का विक्रय मूल्य (प्रति बैग)	75-400
4.	आय सृजन (120*240)	28800
5.	शुद्ध लाभ (28800 - 23500)	5300
6.	शुद्ध लाभ का वितरण	<ul style="list-style-type: none"> • लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर मदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। यह लाभ एक घंटा प्रतिदिन काम करने के आधार पर है • IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

फंड की आवश्यकता:

क्रमांक	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल आवर्ती लागत	23500	0	23500
2	प्रशिक्षण	50000	50000	0
	कुल	73500	50000	23500

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 68800/-

आवर्ती लागत = 7800/-

कटाई, सिलाई के लिए कुल = 76600/-

बैग बनाना परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 0/- (मशीन इत्यादि पूंजीगत लागत परियोजना के भाग -I में ही दर्शायी गयी है)

आवर्ती लागत = 23500/-

बैग बनाना परियोजना के लिए कुल = 23500/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 100100/- + 50000/-

प्रशिक्षण व्यय = 1,50,100/-

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूंजीगत लागत	आवर्ती लागत	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थी अंशदान	कुल लागत
1.	कटाई, सिलाई	68800/-	7800/-	34400/-	42200/-	76600/-
2.	बैग बनाना	0	23500/-	0	23500/-	23500/-
	कुल	68800	31300	34400	65700	100100/-

3. पूंजीगत व्यय = - - 50000 - 65700 1,50,100/-


कुल योजना = 68800 31300 84400 65700 1,50,100/-

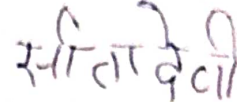
अनुलग्नक

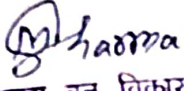
हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (कटाई और सिलाई एवं बैग निर्माण) द्वारा चुना गया।


सदस्यों का विवरण इस प्रकार है


क्र.सं.	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	सीता देवी	प्रधान	सामान्य	60	सीता देवी
2.	माया देवी	सचिव	सामान्य	44	(M)
3.	ज्योति शर्मा	कोषाध्यक्ष	सामान्य	37	Jyoti devi
4.	अंजना कुमारी	सदस्य	सामान्य	33	Anjana Kumari
5.	रामप्यारी	कोषाध्यक्ष	सामान्य	61	रामप्यारी
6.	उर्मिला देवी	सदस्य	सामान्य	50	उर्मिला देवी
7.	पल्लवी शर्मा	सदस्य	सामान्य	20	Pallavi Sharma
8.	सुमन बाला	सदस्य	सामान्य	43	Suman.


हस्ताक्षर 
सचिव स्वयं सहायता समूह
प्रधान
जय दूर्गे महिला स्वयं सहायता समूह
गांव दधोता डा0 मलांगण तह0 झुण्डा
बिलासपुर (हि0प्र0)

हस्ताक्षर 
प्रधान स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर 
सचिव
घण्डौर ग्राम वन विकास समिति
सचिव, वन प्रामाणिक विकास ग्राम पंचायत
समिति घण्डौर तह0 झण्डता जिला
बिलासपुर (हि0प्र0)-174029

हस्ताक्षर 
प्रधान
घण्डौर ग्राम वन विकास समिति
सचिव, वन प्रामाणिक विकास ग्राम पंचायत
समिति घण्डौर तह0 झण्डता जिला
बिलासपुर (हि0प्र0)-174029

हस्ताक्षर 
वन रक्षक

हस्ताक्षर 
वन खण्ड अधिकारी

हस्ताक्षर 
वन परिक्षेत्र अधिकारी
R.F.O. JHANDUTA

Approved



डीएमयू
Divisional Management Unit-174
Office of CA Forestry Project,
Distt. Bilaspur (H.P.)